over the years have increased steeply.

After identifying the constraints on production and implementing remedial measures, the performance of the Heavy Water Plants has progressively improved, resulting in heavy water being produced more economically. The cost of Heavy Water is one of the many parameters included in the overall cost of nuclear power.

Bye Laws/Rules of Recognised Associations

4359. SHRI RAM AWADESH SINGH :
SHRI ASHOK NATH VARMA :

Will the PRIME MINISTER be pleased to refer to reply to Unstarred Question 306 given in the Rajya Sabha on the 28th July, 1988 and state :

(a) whether bye laws or rules of recognises associations of Central Government employees need not conform to the Recognition Rules framed by the recognising Government of its instrumentalities;

(b) whether association bye laws or rules can clash with the provisions of Recognition Rules; and

(c) if so, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI P. CHIDAMBARAM) : (a) to (c) At the time when the service association applies for recognition, the Ministry/Department concerned scrutinises the constitution of the association to verify whether there is anything in the Constitution which does not conform to the rules for granting recognition in force at the relevant time. If there is any such thing the association concerned is requested to consider the desirability of modifying their Constitution. Only when they do so the question of granting recognition is further examined.

प्रधान मंत्री द्वारा अपनी विदेश यात्राओं के दौरान प्रयोग की गई भाषाएं

4360. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय:** क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि गत तीन वर्षों के दौरान प्रधान मंत्री ने जिन-जिन देशों की यात्रा की, जिन-जिन महत्वपूर्ण सम्मेलनों में भाग लिया, उनका और उनमें प्रयोग की गई भाषाओं का ब्यौरा क्या है ?

विदेश मंत्री (श्री पी०वी० नरसिंह राव) : प्रधान मंत्री ने पिछले तीन वर्षों में निम्नलिखित देशों का दौरा किया– (कोष्ठकों में महत्वपूर्ण सम्मेलनो/बैठकों का उल्लेख है) :–

1985 (सितम्बर-दिसम्बर) :– भूटान, यू०के०, बहामास ("चोगम" शिखर सम्मेलन), क्यूबा, न्यूयार्क (संयुक्त राष्ट्र), नीदरलैंड, ओमान, वियतनाम, जापान और बंगलादेश ।

1986:–मालदीव, स्वीडन, जाम्बिया, जिम्बाम्बे (सितम्बर में "नाम" शिखर सम्मेलन भी) अंगोला, तंजानिया, मारीशस, यू०के० (राष्ट्रमंडल बैठक), मेक्सिको (निरस्त्रीकरण शिखर सम्मेलन), इंडोनेशिया, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलड और थाइलैंड ।

1987:–सोवियत समाजवादी गणतंत्र संघ, श्रीलंका, जापान (मार्गस्थ), कनाडा, ("चोगम" शिखर सम्मेलन), संयुक्त राज्य अमरीका, नीदरलैंड (मार्गस्थ), नेपाल ("सार्क शिखर सम्मेलन) और बर्मा ।

1988 (अद्यतन) :– पाकिस्तान (खान अब्दुल गफ्फार खां के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिये), स्वीडन, जापान